Maharishi Skills
SKILLS | EDUCATION

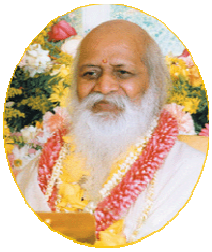

Certificate in Music

Duration : 3 Months

- पुर्वराग, उत्तरराग, संधिप्रकाशराग, परमेलप्रवेशक रागों की संक्षिप्त जानकारी
- स्वरलिपि पद्धति की विस्तृत जानकारी
- राग विस्तार में वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी एवं न्यास स्वरों का महत्व
- तान एवं तोड़ा की परिभाषा, तान एवं तोड़ा में अन्तर, तानों के प्रकार
- मीड़, सूत, घसीट, खटका, मुर्की आदि की सामान्य जानकारी
- जीवन परिचयः–
  - अमीर खुसरो, स्वामी हरिदास, तानसेन का जीवन परिचय
- निम्न तालों का तालिपि में दुगुन–चौगुन सहित लेखनः–
  - त्रिताल, एकताल, झपताल, रूपक
- निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय परिचयः–
  - बिहाग, भीमपलासी, भैरवी,

प्रायोगिक–

- पाठ्यक्रम के रागः–
  - बिहाग, भीमपलासी, भैरवी
- पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका एवं लक्षणगीत का गायन (गायन के परीक्षार्थियों के लिये)
- पाठ्यक्रम के किन्ही दो रागों में विलम्बित रचना (ख्याल) अथवा मसीतखानी गत का आलाप तानों सहित प्रदर्शन